# विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

# शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

**विषय संस्कृत दिनांक 15 -02-2021**

**वर्ग षष्ठ शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय**

**एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित**

**प्रत्यय प्रकरण - संस्कृत में प्रत्यय, परिभाषा, भेद और उदाहरण : संस्कृत व्याकरण**

**प्रत्यय की परिभाषा**

**धातु अथवा प्रातिपदिक के बाद जिनका प्रयोग किया जाता है, उन्हें प्रत्यय कहते हैं।**

**प्रत्ययों के भेद**

**प्रत्ययों के मुख्यतः तीन भेद होते हैं। वे क्रमशः इस प्रकार**

**कृत् प्रत्यय**

**तद्धित प्रत्यय**

**स्त्री प्रत्यय**

**1. कृत् प्रत्यया:**

(1) जिन प्रत्ययों का प्रयोग धातु (क्रिया) के बाद किया जाता है, वे कृत् प्रत्यय कहलाते हैं। यथा-

कृ + तव्यत् = कर्त्तव्यम्

पठ् + अनीयर् = पठनीयम्

2. तद्धितप्रत्यया:

जिन प्रत्ययों का प्रयोग संज्ञा, सर्वनाम आदि शब्दों के बाद किया जाता है, वे तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं।

शिव + अण् = शैवः

उपगु + अण् = औपगवः

दशरथ + इञ् = दाशरथिः

धन + मतुप् = धनवान्

3. स्त्रीप्रत्ययाः

जिन प्रत्ययों का प्रयोग पुल्लिंग शब्दों को स्त्रीलिंग में परिवर्तित करने के लिए किया जाता है, वे स्त्री प्रत्यय कहलाते हैं।

यथा कुमार + ङीप् = कुमारी

अज + टाप् = अजा